सुविचार जीवन तब सार्थक है जब आप किसी लक्ष्य के लिए प्रयासरत है ।

डीजिटल संस्करण https://sbpatra.in पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

सम्पादक-मधुसूदन शर्मा
सह सम्पादक-बृजेश कुमार शर्मा

वर्ष - २ अंक - ४४ सोमवार – २८/०४/२०२५ पृष्ठ – ४ प्रति सोमवार डीजिटल संस्करण

सम्पादकीय

पाकिस्तान पर शिकंजा कसे भारत ।

पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देते हुए भारत ने कुछ सख्त कदम उठाए हैं। इनमें सबसे अहम है सिंधु जल समझौते को निलंबित करना। उरी में आतंकी हमले के बाद भारतीय पीएम ने कहा था कि सिंधु में जल और खून एक साथ नही बह सकते। इस बार सरकार इसी पर आगे बढ़ी है। हालांकि इतना काफी नही है। पुलवामा और पहलगाम जैसी घटनाओं से बचने के लिए ज्यादा निर्णायक और सटीक कदम उठाने की जरूरत है। टेरर फंडिंगरू भारत ने पुलवामा का जवाब बालाकोट से दिया था। वह अप्रत्याशित और साहसिक कदम था। हालांकि इसके बाद भी सीमा पार आतंकवाद खत्म नही हुआ। इसकी वजह है आतंकियों तक पहुंचने वाली वह सप्लाई चेन, जिसे पाकिस्तान चालू रखे हुए है। वह पिछले कुछ साल से गंभीर आर्थिक संकट में फंसा हुआ है। उसकी गाड़ी एडथ और कुछ सहयोगी देशों के कर्ज से किसी तरह चल रही है। इसके बाद भी वह आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंडिंग का जुगाड़ कर लेता है। भारत को इसी फंडिंग को खत्म करना होगा।

पाकिस्तान का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता चीन है। इस्लामाबाद अपने 81: हथियार पेइचिंग से लेता है। इसके बाद नंबर है अमेरिका का। इन्ही हथियारों का इस्तेमाल फिर भारत के खिलाफ किया जाता है। नई दिल्ली को इस बारे में दोनों देशों के साथ स्पष्ट बात करनी चाहिए। 2019 का उदाहरण भी दुनिया के सामने है, जब अमेरिकी रोक के बावजूद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एफ-16 का इस्तेमाल किया था। दुनिया को यह बताने की जरूरत है कि पाकिस्तानी सेना को दी गई एक भी गोली किसी टेरर कैंप में पहुंच सकती है। आर्थिक मदद न मिलेरू अमेरिका और भारत के करीबी रिश्ते हैं। दूसरी ओर, चीन के साथ सीमा विवाद भले हो, लेकिन आर्थिक रिश्ते मजबूत हैं। 2024 में दोनों के बीच 118 अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार हुआ और इसमें पलड़ा चीन की तरफ झुका हुआ है। अमेरिका और चीन - दोनों को भारत का बाजार चाहिए।

भारत फ्रांस में 26 राफेल मरीन विमानों की डील आज , पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक में मिली मंजुरी ,पहलगाम हमले के बाद बुलाई गई थी बैठक ।

भारत की फ्रांस से 63 हाजार करोड की डील अब तक की सबसे बडी डील है , भारत राफैल मरिन विमानो का आईएनएस विक्रत पर तैनात करेगा।

भारत, फ्रांस के साथ 26 राफेल मरीन विमानों की डील सोमवार को साइन करने वाला है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच यह डील साइन की जाएगी। डील के तहत भारत, फ्रांस से 22 सिंगल सीटर विमान और 4 डबल सीटर विमान खरीदेगा। ये विमान परमाणु बम दागने की क्षमता से लैस होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस के साथ ये डील करीब 63,000 करोड़ रुपए में हो रही है। हथियारों की खरीद के मामले में यह फ्रांस के साथ भारत की अब तक की सबसेबड़ी डील है। विमानों की खरीद को 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीकी अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक में मंजूरी मिली थी। यह मीटिंग पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बुलाई गई थी। INS विक्रांत पर तैनात होंगे राफेल मरीन – भारत राफेल मरीन विमानों को ins विक्रांत पर तैनात करेगा। विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन ने इन विमानों में भारत की जरूरत के हिसाब से कई बदलाव किए हैं। इसमें एंटी शिप स्ट्राइक, न्यूक्लियर हथियार लॉन्च करने की क्षमता और 10 घंटे तक फ्लाइट रिकॉर्ड करने जैसे फीचर शामिल हैं।

इसके अलावा कंपनी भारत को हथियार प्रणाली, स्पेयर पार्ट्स और एयरक्राफ्ट के जरूरी टूल्स भी देगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन विमानों की डिलीवरी 2028.29 में शुरू होगी और 2031.32 तक सभी विमान भारत पहुंच जाएंगे।

फ्रांस से 36 राफेल खरीद चुका

सोशल मीडिया प्लेटफॉम औरा ओटीटी पर बैन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज , याचिका मे माँग- नेशनल कंटेट कंट्रोल अथॉरिटी भी बनाई जाए

याचिका में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता मे एक समिती गठन की माँग भी की गई है

सुप्रीम कोर्ट आज उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें सरकार को ओवर द टॉप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेंट की स्ट्रीमिंग को बैन करने की मांग की गई है। याचिका में अश्लील कंटेंट पर बैन लगाने के लिए नेशनल कंटेंट कंट्रोल अथॉरिटी बनाने की मांग भी की गई है। मामला जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच में लिस्टेड है। याचिका में दावा किया गया है कि सोशल मीडिया साइटों पर ऐसे पेज या प्रोफाइल हैं जो बिना किसी फिल्टर के अश्लील सामग्री परोस रहे हैं। कई ओटीटी लेटफॉर्म ऐसा कंटेंट स्ट्रीम कर रहे हैं जिसमें चाइल्ड पोर्नोग्राफी के एलिमेंट्स भी हैं। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने की मांग भी की गई है। जिसमें वे एक्सपर्ट्स शामिल हों, जो ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कंटेंट पब्लिश या स्ट्रीमिंग की निगरानी और सर्टिफिकेशन के लिए सीबीएफसी की तर्ज पर तब तक काम करें। यह कमेटी तब तक बनी रहे, जब तक कि इसे रेग्युलेट करने के लिए कानून नहीं बन जाता।

मोसम विभाग ने भारी बारिश ओर हीटवेव को अलर्ट जारी किया ।

मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड समेत 10 राज्यों में ओले गिरने की संभावना जताई है। मौसम के इस बदलाव से इन राज्यों में पड़ रही तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, यूपी, मध्यप्रदेश, गुजरात में अगले 4 दिन तक हीटवेव और गर्मी का असर कम नहीं होने वाला है। ओडिशा के झारसुगुड़ा और बौध, महाराष्ट्र के परभणी, उत्तर प्रदेश के कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, हमीरपुर और गाजीपुर, बिहार के गया, औरंगाबाद और देहरी में पारा 44 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के 16 शहरों में पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा।

पहलगाम अटैक पर विवादित पोस्ट सात राज्यों में गिरफ्तारी

देश विरोधी टिप्पणीया करने पर कैस दर्ज

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने पर 7 राज्यों से 26 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन सभी गिरफ्तारियों में असम के विपक्षी पार्टी ।प्न्क्थ के विधायक, एक पत्रकार, स्टूडेंट और एक वकील शामिल है। सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने पर देशभर में कई राज्यों में गिरफ्तारियां की गई। इनमें उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, मेघालय और त्रिपुरा शामिल है। सबसे अधिक 14 गिरफ्तारी असम से की गई है।

विधायक की विवादित टिप्पणी, राजद्रोह का केस दर्ज – पहलगाम हमले पर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने को लेकर पहली गिरफ्तारी 24 अप्रैल को असम के एक विधायक की हुई। गिरफ्तार विधायक अमीनुल इस्लाम असम की विपक्षी पार्टी ।प्न्क्थ से हैं। उन्होंने 2019 के पुलवामा हमले और 22 अप्रैल के पहलगाम हमले को 'सरकार की साजिश' बताया था। उन पर राजद्रोह का केस दर्ज हुआ और 25 अप्रैल को उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।

पंजाब के फिरोजपुर में बीएसएफ जवान पाक रेंजर की गिरफ्त मे

२३ अप्रैल को जवान गलती सो हो गया था बॉर्डर पार

पंजाब के फिरोजपुर में 23 अप्रैल को गलती से बॉर्डर क्रॉस करने पर पाकिस्तानी सेना ने बीएसएफ जवान को गिरफ्तार कर लिया था। इस गिरफ्तारी को अब 80 घंटे से अधिक बीत चुके हैं, लेकिन बीएएसएफ जवान की रिहाई नहीं हो सकी है।

दरअसल 23 अप्रैल की दोपहर में बीएसएफ की 182वीं बटालियन के कॉन्स्टेबल पीके सिंह किसानों के साथ ड्यूटी पर थे। बताया गया कि ड्यूटी के दौरान वे छांव में आराम के लिए आगे बढ़े, जिस कारण गलती से पाकिस्तानी सीमा में घुस गए। इस दौरान पाकिस्तान रेंजर्स ने उन्हें पकड़ लिया। पाकिस्तानी सेना ने कहा– बीएसएफ जवान की कोई जानकारी नहीं – जवान की वापसी के लिए ठैथ ने तुरंत प्रयास शुरू कर दिए थे। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच अब तक तीन फ्लैग मीटिंग हो चुकी हैं। लेकिन जवान को अभी तक रिहा नहीं किया गया है। पाकिस्तान ने फिलहाल यह कहकर जवान को लौटाने से मना कर दिया है कि उनके पास गिरफ्तार जवान की लोकेशन की कोई जानकारी नहीं है। इस घटना के बाद बीएसएफ ने भारत–पाक सीमा पर तैनात सभी यूनिट्स को हाई अलर्ट पर रखा है।

पहलगाम हमले पर जम्मु-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र आज ,दस आंतकियों के घरो का तोडा गया ।

पहलगाम आतंकी हमले को 6 दिन बीत चुके हैं। 22 अप्रैल को हुए इस हमले पर चर्चा करने के लिए स्ब मनोज सिन्हा ने आज जम्मू–कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। एक दिन के सत्र दौरान हमले में मरने वालों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी, साथ ही निंदा प्रस्ताव भी पास किया जा सकता है।

इधर, पाकिस्तानियों को भारत में न रहने देने के केंद्र के आदेश के चलते उत्तराखंड सरकार ने चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए आ रहे पाकिस्तानी नागरिकों के रजिस्ट्रेशन कैंसिल कर दिए हैं। 30 अप्रैल से शुरू हो रही यात्रा के लिए इस बार 77 लोगों ने यात्रा के लिए रजिस्टर किया था। हमले के बाद से सेना घाटी में अबतक 10 आतंकियों के घर ब्लास्ट कर ढहा चुकी है। रविवार को कश्मीरी संगठनों के नेताओं ने कार्रवाई रोकने की मांग की। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने केंद्र सरकार से कहा– वह अंधाधुंध तरीके से तोड़फोड़ करके निर्दोष कश्मीरियों को सजा न दें। रविवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहलगाम आतंकी हमला मामले में जम्मू में केस दर्ज किया है।

खडगे बोले पहलगाम हमले पर पीएम गंभीर नही ।

सर्वदलीया बैठक में नही पहुँचे ।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को बेंगलुरु में कहा– पहलगाम हमले पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों के नेता मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी को भी आना चाहिए था, लेकिन वे नहीं आए। हमने बैठक में सबसे पहले यही सवाल उठाया था।

खड़गे ने कहा– जब देश में 26 लोगों मारे गए और कई घायल हों, तब भी च्ड का सर्वदलीय बैठक के प्रति रवैया ठीक नहीं है। उस वक्त मोदी बिहार में चुनावी रैली को संबोधित करने में व्यस्त थे। अगर वह बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह इसे लेकर गंभीर नहीं हैं।

डिजीटल संस्करण
https://sbpatra.in
पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)

https//:sbpatra.in

पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध

YouTube

SWATANTRA BODDHIK PATRA

खबरों के लिए लोगिंन करे !

https://sbpatra.in/

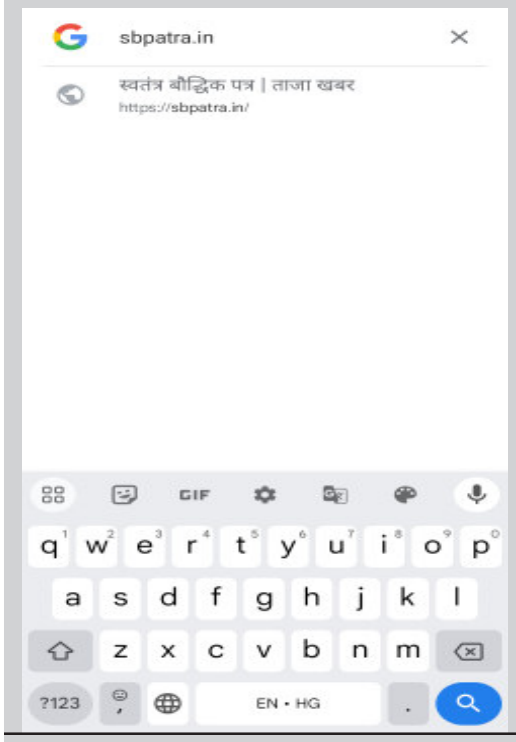

(1)	(2)	(3)	(4)
गुगल सर्च करे - https://sbpatra.in/	होम पेज पर केटेगिरी मे जाए	ई-पेपर केटेगिरी चुने	समाचार पत्र आपके सामने क्लिक करे !

निःशुल्क ई-पेपर प्रति सोमवार को वेब पोर्टल https://sbpatra.in/ से डाउनलोड कर सकते है।

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)
https//:sbpatra.in
पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध

इटली की प्रधनमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने पहलगाम हमले पर पीएम मोदी से की बात , आतंकवाद के खिलाफ लडाई में सर्मथन जताया

मोदी ने इस समर्थन ओर आतंक के खिलाफ स्पष्ट संदेश की सराहना की

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गुरुवार रात प्रधानमंत्री मोदी से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इटली के पूर्ण समर्थन की बात दोहराई। पीएम मोदी ने उनके इस समर्थन और आतंक के खिलाफ स्पष्ट संदेश की सराहना की। मेलोनी के अलावा ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी मोदी से फोन पर बात की।कीर स्टार्मर ने कहा कि इस आतंकी हमले से वे बेहद परेशान हैं। उन्होंने ये भी कहा कि वे पीएम मोदी से लगातार संपर्क में बने रहेंगे। वहीं, मैक्रों ने हमले में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताते हुए कहा कि फ्रांस और उसके सहयोगी आतंकवाद के खिलाफ जहां भी जरूरत होगी, लड़ाई जारी रखेंगे।

सत्य का ब्रह्मास्त्र
स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

पीओके मे झेलम नदी का जलस्तर अचानक बढा ,पाक क्षैत्र में फैली दहशत ,मस्जिदों मे एलाउंस कर किया जा रहा अलर्ट।

भारत पर जान बुझ कर ज्यादा पानी छोडने का आरोप ।

लोगों को नदी से दूर रहने की चेतावनी – डिप्टी कमिश्नर फारूक ने कहा कि भारत ने झेलम नदी में सामान्य से ज्यादा पानी छोड़ दिया है, जिस वजह से बाढ़ आई है। अभी घबराने जैसी कोई बात नहीं है। फिर भी हमने लोगों को नदी वाले इलाके से दूर रहने और वहां पर जानवरों को भी न ले जाने की अपील की है।

वहीं, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के डायरेक्टर ज्यादा पानी छोड़े जाने को लेकर कहा कि इस मामले में उन्हें कोई पूर्व चेतावनी नहीं मिली थी। उन्होंने आगे बताया कि पानी को मंगला बांध तक पहुंचने में समय लगेगा। फिलहाल निचले इलाके में सुरक्षा उपाय पहले ही लागू कर दिए गए हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में शनिवार दोपहर झेलम नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई। इसके बाद अधिकारियों ने अलर्ट जारी कर स्थानीय लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशासन ने हट्टियन बाला इलाके में वाटर इमरजेंसी की घोषणा की है। वहीं, मस्जिदों से भी लगातार चेतावनी जारी की जा रही है।

राजधानी मुजफ्फराबाद के डिप्टी कमिश्नर मुदस्सर फारूक ने स्थानीय निवासियों से झेलम नदी नजदीक के इलाकों में जाने से बचने को कहा है। उन्होंने झेलम में ज्यादा पानी छोड़े जाने को भारत की ओर से जानबूझकर उठाया गया कदम बताया।

सिंधु जल समझौता रोकने पर भारत को बिलावल की धमकी

सिन्धु दरिया में या तो पानी बहेगा या उनका खुन ।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भारत के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिया है। उन्होंने शुक्रवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सिंधु नदी में या तो हमारा पानी बहेगा, या फिर उनका खून बहेगा। सिंधु दरिया हमारा है और हमारा ही रहेगा। भुट्टो ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि आप एक झटके में सिंधु जल समझौता को तोड़ दें। हम इसे नहीं मानते हैं। हमारी अवाम इसे नहीं मानती। हजारों साल से हम इस नदी के वारिस हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने आतंकियो को फ्रीडम फाईटर बताया ,पहलगाम हमले पर भारत अपनी नाकामी छिपाने के लिए पाक पर आरोप लगा रहा

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार फ्रिडम फाईटर बताकर फिर कहा हालाँकी हम नही जानते ये कोन है

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पहलगाम हमले के आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहा है। डार ने कहा– हमें शुक्रगुजार होना चाहिए कि ये तो फ्रीडम फाइटर्स भी हो सकते हैं। हालांकि, हम नहीं जानते कि ये कौन हैं। मुझे लगता है कि वे अपनी नाकामी और अपनी घरेलू राजनीति के लिए पाकिस्तान पर इल्जाम लगा रहे हैं। इशाक डार पाकिस्तान के उप–प्रधानमंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत के पास इस हमले में पाकिस्तान के शामिल होने का कोई सबूत है तो इसे दुनिया के सामने पेश करे। डार ने कहा कि भारत बार–बार पाकिस्तान पर ऐसी घटनाओं का आरोप लगाता रहा है। इस बार भी भारत ने वही खेल खेला है। डार ने कहा, इन हालात को देखते हुए मैंने बांग्लादेश और अफगानिस्तान की अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं, ताकि हम कूटनीतिक प्रतिक्रिया तैयार कर सकें। भारत की बढ़ती आक्रामकता को लेकर विदेश मंत्री डार ने कहा कि पाकिस्तान भी भारत की तरह कदम उठाएगा।

पाक रक्षामंत्री ने कहा आतंकियो को सर्मथन करना बडी गलती हम अमेरिका के कहने पर तीस साल से यहा गंदा काम कर रहे है ।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ब्रिटिश न्युज चैनल को दिया इंटरव्यु ।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने माना है कि उनका देश पिछले 30 साल से आतंकवादियों का समर्थन कर रहा है और उन्हें ट्रेनिंग दे रहा है। उन्होंने कहा कि वे अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए यह 'गंदा काम' कर रहे हैं।ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार को ब्रिटिश अखबार द स्काई को दिए इंटरव्यू में यह बातें कहीं। ब्रिटिश एंकर यल्दा हकीम ने उनसे सवाल पूछा था कि क्या पाकिस्तान आतंकी गुटों की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है? इस पर उन्होंने कहा कि वैश्विक शक्तियों ने अपने हितों के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया। ख्वाजा आसिफ ने यह भी माना कि आतंकियों का समर्थन करना या ट्रेनिंग देना बड़ी गलती थी। हम इसकी सजा भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा– अगर हम सोवियत यूनियन के खिलाफ जंग में शामिल नहीं होते और 9/11 के हमलों के बाद जो हालात बने, वो न बनते तो पाकिस्तान का रिकॉर्ड बेदाग होता।

खैबर पख्तुख्वा में पाक सैना प्रमुख ने फिर दोहराई टु नेशन थ्योरी , मुसलमानो की सौच हिन्दुओ से अलग

पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसीम मुनीर ने शनिवार को एक बार फिर से टू–नेशन थ्योरी दोहराते हुए कहा कि मुसलमान और हिंदू दो अलग–अलग राष्ट्र हैं। मुनीर खैबर–पख्तूनख्वा प्रांत के काकुल इलाके में पाकिस्तान मिलिट्री एकेडमी में कैडेट्स कीपासिंग आउट परेड को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुसलमान जीवन के सभी पहलुओं– धर्म, रीति–रिवाज, परंपरा और सोच में हिंदुओं से अलग हैं। हमारे पूर्वजों ने पाकिस्तान बनाने के लिए बहुत बलिदान दिया है। हम जानते हैं कि इसकी रक्षा कैसे करनी है।

पाक सैन्य काफिले में आईईडी ब्लास्ट, दस की मौत बलुच लिबरेशन आर्मी ने ली जिम्मेदारी ,खुद की आजादी का दिया हवाला

पिछले महिने ट्रेन हाईजैक की थी बीएलए लडाको ने

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में के हमले में 10 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। बलूच लिबरेशन आर्मी ने शुक्रवार को बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली। बलूच लिबरेशन आर्मी ने कहा कि उसके फ्रीडम फाइटर्स ने पाकिस्तानी सेना के काफिले को रिमोट कंट्रोल्ड प्म्ब के जरिए निशाना बनाया है। यह हमला हमारी आजादी की लड़ाई का हिस्सा है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक क्वेटा से लगभग 30 किमी मार्गट चौकी के पास सैन्य काफिले को निशाना बनाया गया। बीएलए ने कहा कि दुश्मन के खिलाफ हमारा ऑपरेशन तेजी से जारी रहेगा।

हिसार में पाकिस्तनी परिवार पकडा वीजा खत्म होने के बाद भी भारत रहा रहा था ।

हरियाणा में हिसार के बालसमंद से एक पाकिस्तानी हिंदू परिवार को दिल्ली भेज दिया गया है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है। इस परिवार में कुल 15 सदस्य हैं। परिवार पिछले 7 महीने से बालसमंद में रह रहा था।

परिवार में 3 लड़कियां, 8 बच्चे, 3 महिलाएं और एक बुजुर्ग शामिल हैं। ये सभी पाकिस्तान के सिंध हैदराबाद से आए थे। परिवार एक अक्टूबर 2024 को वीजा समाप्त होने के बाद भी यहीं रह रहा था। परिवार एक निजी अस्पताल की जमीन पर बने कमरे में रह रहा था। सभी सदस्य खेतों में दिहाड़ी मजदूरी करके अपना गुजारा कर रहे थे। परिवार ने खुद को हिंदू बताया था।

परिवार का कहना है कि वे पाकिस्तान वापस नहीं जाना चाहते। उनका आरोप है कि पाकिस्तान में उन्हें बहुत प्रताड़ित किया जाता है। वे भारत में ही रहना चाहते हैं। हिसार पुलिस ने पूरे परिवार को बस में बिठाकर दिल्ली स्थित पाकिस्तानी कैंप में भेज दिया है। आगे की कार्रवाई दिल्ली से की जाएगी।

बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानियों को दिया सार्क वीजा रद्द कर दिया है। इसके बाद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का टाइम दिया गया है।

खबरों के लिए लोगिंन करे
https://sbpatra.in/

स्वत्वाधिकार सम्पादक प्रकाशक मधुसूदन शर्मा / डिजिटल संस्करण प्रति सोमवार स्वतंत्र बौद्धिक पत्र समाचार पत्र की आधिकारीक बेवसाइट https://sbpatra.in/ पर उपलब्ध है। अन्य वेब या डिजिटल माध्यमों पर इसे प्रकाशित या इस नाम से , अन्य सामग्री जैसे समाचार पत्र प्रकाशन या इस नाम से कोइ वेब डोमेन खरीदना , दण्डनीय अपराध होगा ,ऐसा करने पर वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है । - सम्पादक मधुसूदन शर्मा